Dr. L. M. Singhvi: Is it proposed to commission the existing units in this country to produce alloy and special steel for our defence needs in any large measure?

Shri Raghuramaiah: Our existing metal and steel factory, Ishapore, is itself being expanded. There is a scheme to expand that so that part of the necessary capacity can be arranged there also.

Shri Rameshwar Tantia: May I know whether at the present time it is necessary to establish such alloy and special steel plant instead of raising more armaments for our defence?

Shri Raghuramaiah: All the steel will be required for our own defence purposes. It is true that the Planning Commission, when they allotted this extra 50,000 tons to this, have also taken the civil requirements into account. But now, Sir, I presume that the Planning Commission and the Defence Ministry will have to sit together and decide what other additional capacity, if any, has to be provided. But I can assure you that all that we are now putting into this is for defence.

Shri Shivananjappa: There was a proposal to manufacture special steel and alloy at the Mysore Iron and Steel Works, Bhadravati. I want to know the progress made in that direction?

Mr. Speaker: That is a different thing altogether.

Shri Ram Ratan Gupta: In view of the urgency of the situation, will the hon. Minister be pleased to inform the House how long he expects it will take to finalise the scheme and put the plant into actual working?

Shri Raghuramaiah: I have already stated that we are calling for tenders very soon. The previous assumption was that it would take three to four years for the plant to go into production. We shall do everything to expedite it as quickly as possible in view of the emergency.

पाकिस्तानियों द्वारा वायुसीमा का उलंघन

*१३२. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भारतीय वायु सीमा का पिछले तीन मास में कितनी बार पाकिस्तानी विमानों द्वारा अतिक्रमण किया गया ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री रघुरामैया) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट १, अनुबन्ध संख्या २७]

अध्यक्ष महोदय : अब इतना समय बीत जाने पर माननीय सदस्यों से इतनी तो आशा की जा सकती है कि हर कोई एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है इतनी हिन्दी समझ ले ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि संसद् के पिछले अधिवेशन में जैसा कि प्रधान मन्त्री जी ने यह घोषणा की थी कि पाकिस्तान का कोई भी विमान अगर हमारे क्षेत्र में आयगा तो हम उसको मार कर गिराने की नीयत नहीं रखते, तो क्या संकट काल की स्थिति में सुरक्षा की दृष्टि से कुछ विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं अथवा पहले की ही नीति पर भारत सरकार दृढ़ है ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य, प्रतिरक्षा तथा अणुशक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : आम तौर से जो लड़ाई के हवाई जहाज होते हैं उनको तो गिराने का हक है लेकिन जो लड़ाई के न हों उनमें जरा झिझक होती है । यह सही है कि पाकिस्तान में एक या दो वर्ष हुए एक हमारे हवाई जहाज को गिरा दिया था और आप को याद होगा कि हमने यह आर्डर इश्यू किया हुआ है कि कोई अगर लड़ाई का हवाई जहाज मालूम हो तो उसका पीछा किया जाय और उसको गिरा दिया जाय । लेकिन आम तौर से जो हवाई जहाज आते हैं वह मुश्किल से दो, चार मिनट

रहते हैं क्योंकि वह ४००–५०० मील की रफ्तार से चलते हैं और उनको पकड़ना आसान नहीं होता है या तो अब सैकड़ों हमारे हवाई जहाज हवा में उनका पीछा करने के लिय हों । ऐसे उनका पकड़ना आसान नहीं है, दो, चार मिनट रह कर निकल जाते हैं ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या पाकिस्तान के जो विमान इस बीच में हमारे क्षेत्र में उड़े हैं वे विशेष कर क्या उन क्षेत्रों में उड़े हैं जहां हमारे सैनिक अड्डे थे और उनकी जानकारी लेने के लिये और उनकी तस्वीरें आदि लेने के लिए आये थे ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : वह ज्यादातर कश्मीर की सीज फायर लाइनके इधर उड़े हैं और जाहिर है कि वे कुछ न कुछ देखने के लिये उड़े होंगे ।

Shri D. C. Sharma: From the statement I find that these air violations have occurred in places which are very near our border—Tithwal, Amritsar, Atari etc. May I know if any steps have been taken to see to it that they do not come so near as Amritsar, Atari and Tithwal?

Shri Jawaharlal Nehru: I do not know what steps can be taken except to be ready for them and try to shoot them down.

श्री म० ला० द्विवेदी : बयान से मालूम पड़ता है कि लड़ाई बन्दी रेखा के इस तरफ भी पाकिस्तानी हवाई जहाज आये और दूसरी जगह भी ६ उन्होंने हमले किये, मैं जानना चाहता हूं कि इस सम्बन्ध में जो दो घटनाएं हुई हैं उनमें हम ने प्रोटैस्ट भी पेश नहीं किया है, सितम्बर से अब तक नहीं किया है, मैं जानना चाहता हूं कि इस विलम्ब का क्या कारण है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मैं इस के बारे में बगैर दरयाफ्त किये जवाब नहीं दे सकता ।

Indian Settlers in Ceylon

*133. **Shri Bibhuti Mishra:**
Shri P. K. Deo:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri Jagdev Singh Siddhanti
Shri D. N. Tiwary:
Shri Bishanchander Seth:
Shri Yashpal Singh:
Shri K. N. Tiwary:
Shri P. C. Borooah:
Shri Maheswar Naik:
Dr. L. M. Singhvi:
Shri Yallamanda Reddy:
Shrimati Savitri Nigam:

Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that during his visit to Ceylon he had talks with the Prime Minister of Ceylon on problem of Indian settlers rendered Stateless by Ceylonese citizenship laws; and

(b) if so, the result of the talk?

The Deputy Minister in the Ministry of External Affairs (Shri Dinesh Singh): (a) Yes, Sir.

(b) The talk was brief and of a general nature. Further discussions at official level are envisaged.

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूं कि जो हमारे भारतीय सीलोन में बसे हुए हैं और स्टेटलैस सिटीजन की हालत में हैं उन्हें स्टेट का सिटीजन बनाने के बारे में जो बातचीत हुई है उसमें कितनी प्रगति हुई है ?

श्री दिनेश सिंह : उन्हीं के बारे में बातचीत हुई है और जैसा मैंने अभी अर्ज किया कि इस सिलसिले में जो हमारे अफसर हैं वे और बातें अभी कर रहे हैं ।

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी ने जो बातचीत की उससे कहां तक यह मालूम पड़ता है कि यह जो हिन्दुस्तान के बाशिन्दे वहां पर हैं उन्हें स्टेट सिटीजन बनाया जायगा और अन्य सम्बन्धित अधिकार मिलेंगे ?